Vol 5 Issue 10 July 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF) Volume - 5 | Issue - 10 | July - 2016

International Online Multidisciplinary Journal
Review of Research
ISSN No : 2249-894X
Impact Factor : 3.1402 (UIF) [2015]
Save Tree, Save Paper, Save World

Review Of Research

विद्यालय में विद्यार्थियों हेतु मन की बात : एक प्रभावी नवाचार (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांढर बस्ती में छात्र/छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों के मध्य स्वच्छ वातावरण तैयार करने पर केस अध्ययन)

डॉ. अर्चना जायसवाल
व्याख्याता, भूगोल (पँ) , शा.उच्चतर माध्यिमक विद्यालय, मांढर बस्ती, धरसींवा, रायपुर .

सारांश :–

छत्तीसगढ़ शासन के ''स्कूल आ पढ़े बर, जिंदगी ला गढ़े बर'' एवं भारत सरकार के द्वारा ''बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं'' जैसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मांढर बस्ती रायपुर में विजन २०१८ का निर्माण किया गया। इस विजन को सफल बनाने के लिए तथा विद्यालय को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए कई विचार मन में आए। इन विचारों को विद्यार्थियों तक पहुँचाने तथा विद्यार्थियों के मन की बात जानने हेतु एक ऐसे कार्यक्रम की आवश्यकता पड़ी, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों, पालकों/अभिभावकों तथा शिक्षक/ शिक्षिकाएँ आपस में खुलकर अनौपचारिक रूप से चर्चा के माध्यम से अपनी मन की बात कर सकें।

इस प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांढर बस्ती, रायपुर में विद्यार्थियों के लिए २० जून २०१५ से श्रीमती एस.नासरे, प्राचार्य द्वारा ''मन की बात'' कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को ०४ कालखंड के पश्चात् किए जाने का निर्णय लिया गया। बाद में इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, पालकों/अभिभावकों के व्यापक रूझान को देखते हुए इसे माह के अंतिम शनिवार को किया जाने लगा।

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य सहसंबंध गुणांक ज्ञात किया गया। सहसंबंध गुणांक ज्ञात करने पर पता चला कि यह सहसंबंध उच्च + ०.७५ रहा है। अर्थात् कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य गहरा सहसंबंध स्थापित हुआ। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य सहसंबंध के बीच CR का मान ३.७८ प्राप्त हुआ जो अंतर की सार्थकता के लिए आवश्यक मान ०.०५ स्तर पर १.९६ से बहुत अधिक है। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मन की बात कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों के मध्य गहरा सहसंबंध स्थापित हुआ।

मन की बात कार्यक्रम स्थल

भूमिका :–

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय तथा शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही पालकों /अभिभावकों के अतिरिक्त समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। विद्यार्थियों का अधिकांश समय विद्यालय में शिक्षकों के साथ व्यतीत होता है। ऐसी स्थिति में विद्यालय में स्वच्छ एवं सौह्यर्द्रपूर्ण वातावरण विद्याथियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। स्वच्छ एवं सौह्यर्द्रपूर्ण वातावरण के लिए यह आवश्यक है कि विद्यार्थियों की मन की बात की जानकारी शिक्षकों को हो, ताकि शिक्षक विद्यार्थियों के मन की बात के आधार पर अपने आप को ढाल सकें, इससे विद्यार्थियों में सोच, रूचियों और व्यवहारों की समझ विकसित होगी और वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका अदा कर सकेंगे।

केस अध्ययन की आवश्यकता :–

प्रस्तुत केस अध्ययन की आवश्यकता निम्न बिंदुओं पर आधारित है –

- प्राचार्य तथा शिक्षकों का विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करना।
- प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों की समस्त समस्याओं का समाधान एवं विचारों पर अपनी प्रतिक्रियाएँ देना।

मन की बात कार्यक्रम के उद्देश्य :–

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम के निम्न उद्देश्य हैं –

- विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम हेतु वातावरण निर्मित करना।
- मन की बात के माध्यम से छात्र/छात्राओं की समस्याओं का आंकलन करना।
- मन की बात द्वारा छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व एवं समग्र विकास की संकल्पना से अवगत कराना।
- विद्यालय में पालकों/अभिभावकों की सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाना।
- विद्यालय में चरित्र निर्माण की आवश्यकताओं पर विचार करना।
- विद्यालय में मन की बात पर आधारित कार्यक्रमों की योजनाओं पर चर्चा करना।
- विद्यालय में पंचकोश जैसे–अन्यमय कोश, प्राणयाम कोश, विज्ञानमय कोश, आनंदमय कोश, शैक्षणिक अवधारणा का परिचय देना।
- शासन द्वारा संचालित योजनाओं से विद्यार्थियों, पालकों/अभिभावकों को अवगत कराना और इन योजनाओं से भावनात्मक रूप से जोड़ना।

मन की बात कार्यक्रम की परिकल्पना :–

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत निम्न परिकल्पनाओं पर आधारित है –

- विद्यालय में इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र/छात्राओं के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।
- विद्यालय में सामुदायिक सहभागिता बढ़ेगी।
- विद्यालय में गणमान्य नागरिकों एवं अन्य संस्थाओं तथा समाज के लोगों का जुड़ाव होगा।
- विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मन की बात कार्यक्रम का विजन :–

मन की बात कार्यक्रम का विजन निम्नानुसार रहा है –

- विद्यालय में वर्ष २०१८ तक छात्र/छात्राओं, पालकों एवं शिक्षकों के मध्य व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों पर सैद्धांतिक चर्चा के साथ विद्यालय में किए जा रहे नवाचारों का आदान–प्रदान एवं समूह चर्चा द्वारा एक स्वच्छ वातावरण तैयार करना, जिसमें छात्र/छात्राओं के सुझावों को समाहित करते हुए नवाचारों को बढ़ावा देना।
- विद्यालय में छात्र/छात्राओं के सुझावों के आधार पर शिक्षकों के द्वारा तैयार नवाचारों के अनुरूप उत्कृष्ट ज्ञान का सृजन करना।
- विद्यालय में उत्कृष्ट ज्ञान के सृजन के आधार पर प्रभावी नवाचार को बढ़ावा देना।

''विद्यालय में व्यक्तित्व के समग्र विकास हेतु उत्कृष्ट ज्ञान का आदान–प्रदान''

मन की बात कार्यक्रम के केश अध्ययन का क्षेत्र :–

मन की बात कार्यक्रम के केश अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के धरसींवा जनपद पंचायत में स्थित ग्राम पंचायत मांढर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्याल, मांढर बस्ती का चयन किया गया। जहाँ विद्यार्थियों हेतु मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत २० जून २०१५ से २८ फरवरी २०१६ तक कुल १० कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मन की बात कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ–साथ शासन स्तर के उच्च स्तर के अधिकारी से लेकर निम्न स्तर के अधिकारियों ने विद्यार्थियों का उद्बोधन किया।

मन की बात कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल अध्यक्ष श्री के.डी.पी. राव एवं संसदीय–सचिव तथा विधायक (धरसींवा) एवं पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष श्री देवजी भाई पटेल द्वारा विद्यार्थियों का उद्‌बोधन

शाला प्रांगण में स्थित वट वृक्ष के छाया तले विद्यार्थियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान माननीय संसदीय सचिव एवं पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष श्री देवजी भाई पटेल, अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल अध्यक्ष श्री के. डी.पी. राव, श्री संजय ओझा–संचालक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली की डॉ. कविता शर्मा, श्री राम नरेश त्रिवेदी तथा श्री एम. आर. सामंत, प्राचार्य मुख्य रहे हैं।

मन की बात कार्यक्रम में एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली की डॉ. कविता शर्मा, रायपुर से प्राचार्य श्री राम नरेश त्रिवेदी तथा श्री एम. आर. सामंत द्वारा विद्यार्थियों का उद्‌बोधन

मन की बात कार्यक्रम हेतु आँकड़ों का संकलन :–

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम के केस अध्ययन हेतु शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मांढर बस्ती में २० जून २०१५ से २८ फरवरी २०१६ तक कुल १० कार्यक्रमों में सम्मिलित पूर्व माध्यमिक विद्यालय से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तक कुल ६६३ विद्यार्थियों द्वारा मन की बात में रखे गये अपने विचारों/समस्याओं एवं पूछे गए प्रश्नों पर आधारित है। इन ६६३ विद्यार्थियों में २३५ छात्र पूर्व माध्यमिक स्तर के तथा उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कुल ७२८ विद्यार्थियों जिनमें ३२६ छात्र तथा ३६६ छात्राएँ सम्मिलित थीं, के अध्ययन पर आधारित है।

मन की बात कार्यक्रम में श्री संजय कुमार ओझा, संचालक, राज्य शैक्षणिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद द्वारा विद्यार्थियों का उद्‌बोधन

प्राथमिक आँकड़े – प्राथमिक आँकड़ों के संकलन हेतु साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा मन की बात कार्यक्रम में रखे गये विचारों/समस्याओं एवं पूछे गए प्रश्नों का समावेश किया गया (सारिणी क्रमांक–०१)।

सारिणी क्रमांक – 01
अध्ययन क्षेत्र : चयनित छात्र/छात्राओं की संख्या

क्र.	कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या								कुल योग		महायोग
		अ.जा.		अ.जनजाति		अ.पि. वर्ग		सामान्य		छात्र	छात्रा	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा			
1.	12 वीं	13	18	1	3	41	59	2	4	57	84	141
2.	11 वीं	17	16	2	0	39	63	1	1	59	80	139
3.	10 वी.	14	28	4	3	50	67	1	1	69	99	168
4.	09 वीं	28	35	3	6	109	86	4	9	144	136	280
योग :–		72	77	10	12	239	275	8	15	329	399	728
कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक बालकों की संख्या												235
कुल महायोग												**963**

(क) उच्चतर माध्यमिक स्तर – उच्चतर माध्यमिक स्तर पर साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से कक्षा ११ वीं एवं १२ वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों, जो मन की बात कार्यक्रम में सम्मिलित हुए का साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार मुख्यतः मन की बात कार्यक्रम में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित रहा है। इन विद्यार्थियों की कुल संख्या २८० थी, जिसमें ११६ छात्र तथा १६४ छात्राएँ थीं।

(ख) माध्यमिक स्तर – माध्यमिक स्तर पर साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से कक्षा १० वीं एवं ९ वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों, जो मन की बात कार्यक्रम में सम्मिलित हुए का साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार मुख्यतः मन की बात कार्यक्रम में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित रहा है। इन विद्यार्थियों की कुल संख्या ४५८ थी, जिसमें २१३ छात्र तथा २३५ छात्राएँ थीं।

(ग) पूर्व माध्यमिक स्तर – पूर्व माध्यमिक स्तर पर साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से कक्षा ६ वी से ८ वीं तक अध्ययनरत् विद्यार्थियों, जो मन की बात कार्यक्रम में सम्मिलित हुए का साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार मुख्यतः मन की बात कार्यक्रम में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित रहा है। इन विद्यार्थियों की कुल संख्या २३५ थी।

द्वितीयक आँकड़े – प्रस्तुत केस अध्ययन हेतु द्वितीयक आँकड़ों का संकलन निम्नानुसार किया गया –

- मन की बात कार्यक्रम में उच्चर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का प्रतिवेदन।
- मन की बात कार्यक्रम में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का प्रतिवेदन।
- मन की बात कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का प्रतिवेदन।

केस अध्ययन की विधि :–

प्रस्तुत केस अध्ययन निम्न विधि का आधारित रहा है –

• पूर्व माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की मनोस्थिति का अध्ययन उनके द्वारा मन की बात में रखे गए विचार और उन विचारों की प्रासंगिकता का वर्तमान अध्ययन पर प्रभाव।

• माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की मन की बात कार्यक्रम में उपस्थिति, उनकी रूचि तथा विद्यालय से उनके लगाव एवं व्यक्तित्व के विकास पर आधारित रहा।

• उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं जैसे–मानसिक विकास, बौद्धिक विकास, आध्यात्मिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विद्यालय का सौंदर्यीकरण, विद्यालय में उत्सव तथा प्रार्थना सभा में उनकी उपस्थिति पर आधारित रहा।

आँकड़ों तथा तथ्यों को प्राप्त करने के लिए सहभागी शोध पद्धति के आधार पर प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का संकलन किया गया। इसके लिए साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण कर विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम के दौरान पूछे जा रहे प्रश्नों के आधार पर जानकारियों का संकलन किया गया। विद्यार्थियों की सामुदायिक धारणाओं को समझने के लिए कार्यक्रम में समूह चर्चा के दौरान उनके स्तर और रूझानों की पहचान के लिए सहभागी आंकलन प्रविधि का उपयोग किया गया। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से प्राप्त तथ्यों को भी अध्ययन में शामिल किया गया।

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम में चर्चा के प्रमुख विषय :–

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मांढर बस्ती में मन की बात कार्यक्रम में चर्चा के प्रमुख विषय निम्न रहे हैं – छात्र/छात्राओं की पठन–पाठन में रूचि, स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ–सफाई, पर्यावरण विकास (वृक्षारोपण एवं पौधरोपण), पर्यावरण संरक्षण से संबंधित जागरूकता अभियान, विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण निर्मित करना, ग्राम पंचायत में साफ–सफाई के संदेश आदि (सारिणी क्रमांक – ०२) ।

सारिणी क्रमांक – 02
विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम में चर्चा के विषय

क्र.	चर्चा का विषय	चर्चा में पूछे गये प्रश्नों का प्रतिशत
१.	विद्यार्थियों की पठन–पाठन में रूचि	५५ प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	६२ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	४८ प्रतिशत
२.	विद्यालय में अनुशासन	२० प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	२२ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	१८ प्रतिशत
३.	स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ–सफाई	१० प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	१४ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	०६ प्रतिशत
४.	पर्यावरण विकास (वृक्षारोपण एवं पौधरोपण)	०८ प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	०६ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	१० प्रतिशत
५.	विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण	०७ प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	०६ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	०८ प्रतिशत
६.	ग्राम पंचायत में साफ–सफाई के संदेश	०२ प्रतिशत
	(अ) छात्राओं की समस्याएँ एवं उसका निदान	०१ प्रतिशत
	(ब) छात्रों की समस्याएँ एवं उसका निदान	०१ प्रतिशत
	कुल पूछे गये प्रश्नों का प्रतिशत	१०० प्रतिशत

1. मन की बात चर्चा का विषय : विद्यार्थियों की पठन–पाठन में रूचि :–

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम में चर्चा का प्रथम विषय छात्र–छात्राओं की पठन–पाठन में रूचि पर आधारित था, जिस पर विद्यार्थियों द्वारा औसतन ५५ प्रतिशत प्रश्न रखे गये, जिसमें छात्राओं द्वारा रखे गये प्रश्नों का प्रतिशत ६२ एवं छात्रों का प्रतिशत ४८ रहा। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा सबसे अधिक ६६ प्रतिशत प्रश्न पूछे गये, जबकि माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का प्रतिशत ५२ रहा तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर पूछे गये प्रश्नों का प्रतिशत सबसे कम ४८ प्रतिशत रहा। प्रत्येक स्तर पर पूछे गये प्रश्नों का समाधान उन्हीं रूपों में आमंत्रित वक्ताओं/अतिथियों के द्वारा दिया गया (सारिणी क्रमांक ०३ एवं ०४)।

सारिणी क्रमांक – 03
विद्यालय में मन की बात : विद्यार्थियों की पठन–पाठन में रूचि

क्र.	स्तर	चर्चा में पूछे गए प्रश्नों एवं उनके निदान का प्रतिशत
१.	उच्चतर माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	६६ प्रतिशत ७७ प्रतिशत ५५ प्रतिशत
२.	माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	५२ प्रतिशत ६८ प्रतिशत ३६ प्रतिशत
३.	पूर्व माध्यमिक स्तर	४८ प्रतिशत

सारिणी क्रमांक – 04
विद्यालय में मन की बात : विद्यार्थियों की पठन–पाठन में रूचि

क्र.	विद्यार्थियों की समस्याएँ	निदान
१.	पाठ्यक्रम में कठिन शब्दावली एवं वाक्यों का उपयोग होना।	कठिन शब्दावली को सरल एवं वाक्यों को दृश्य श्रव्य उपकरणों के माध्यम से चर्चा में समझाने का प्रयास जैसे कि मानचित्र का अध्ययन ग्लोब के माध्यम से कराना।
२.	छात्र–छात्राओं का ग्रंथालय में बैठकर अध्ययन न करना	छात्र–छात्राओं को चर्चा में ग्रंथालय का महत्व बताना एवं ग्रंथालय में बैठकर अध्ययन करने से होने वाले लाभों को समूह चर्चा में चिन्हांकित करना ताकि विद्यार्थी इसका महत्व समझ सके।
३.	छात्र–छात्राओं का विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी नगण्य होना।	छात्र–छात्राओं को विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों में सामान्य ज्ञान एवं विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित प्रयोगों एवं लघु परियोजनाओं के माध्यम से समूहों में चर्चा कराना ताकि उनकी भागीदारी बढ़ें।

2. मन की बात चर्चा का विषय : विद्यालय में अनुशासन :–

विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम में चर्चा का दूसरा एवं महत्वपूर्ण विषय विद्यालय में विद्यार्थियों का अनुशासन संबंधी समस्या एवं उसके निदान पर आधारित था, जिस पर विद्यार्थियों द्वारा औसतन २० प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये। इनमें छात्राओं द्वारा रखे गये समस्याओं/प्रश्नों का प्रतिशत सबसे अधिक १४ प्रतिशत तथा छात्रों का प्रतिशत मात्र ८ रहा है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सबसे अधिक २२ प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये, जबकि माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा रखे गये समस्याएँ/प्रश्नों का प्रतिशत १४ रहा तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर पूछे गये प्रश्नों का प्रतिशत सबसे कम ६ प्रतिशत था। प्रत्येक स्तर पर रखे गये समस्याओं/पूछे गये प्रश्नों का समाधान विद्यालय में आमंत्रित अतिथि वक्ताओं/अतिथि विद्वानों द्वारा दिया गया (सारिणी क्रमांक ०५ एवं ०६)।

सारिणी क्रमांक – 05
विद्यालय में मन की बात : विद्यालय में विद्यार्थियों का अनुशासन

क्र.	स्तर	चर्चा में पूछे गए प्रश्नों एवं उनके निदान का प्रतिशत
१.	उच्चतर माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	२२ प्रतिशत १३ प्रतिशत ०९ प्रतिशत
२.	माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	१४ प्रतिशत ०८ प्रतिशत ०६ प्रतिशत
३.	पूर्व माध्यमिक स्तर	०९ प्रतिशत

सारिणी क्रमांक – 06
विद्यालय में मन की बात : विद्यालय में विद्यार्थियों का अनुशासन

क्र.	विद्यार्थियों की समस्याएँ	निदान
१.	विद्यालय में अनुशासन समिति द्वारा बनाये गये नियमों के पालन की समस्या	विद्यालय में अनुशासन समिति द्वारा बनाये गये नियमों के लाभों पर समूह में चर्चा कराना और उसके लाभों को चिन्हांकित करना ताकि अनुशासन के प्रति विद्यार्थियों की रूचि बढ़े।
२.	विद्यालय में विद्यार्थियों का समय पर उपस्थिति एवं कार्य न करना।	विद्यालय में विद्यार्थियों को समूह चर्चा के दौरान समय पर उपस्थिति का महत्व बताना एवं समय पर किये जाने वाले कार्यों से होने वाले लाभों को चिन्हित करना। तक विद्यार्थी समय का महत्व समझ सकें एवं उसके अनुरूप अपने आप को ढाल सकें।
३.	विद्यालय में विद्यार्थियों का अनुपस्थित रहना या किसी कालखण्ड में अनुपस्थिति होना।	विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा समूह चर्चा में प्रत्येक कालखण्ड में उपस्थित होने से होने वाले लाभों को बताना एवं चिन्हांकित करना।

3.मन की बात चर्चा का विषय : स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ–सफाई :–

मन की बात कार्यक्रम में चर्चा का तीसरा चरण विद्यार्थियों में स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ-सफाई के प्रति रूझान कर रहा है, जिस पर विद्यार्थियों द्वारा औसतन १० प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये, जिसमें छात्राओं द्वारा रखे गये समस्याओं/प्रश्नों का प्रतिशत १४ एवं छात्रों का प्रतिशत ६ रहा है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा सबसे अधिक १५ प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये जबकि माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा रखी गयी समस्याएँ/प्रश्नों का प्रतिशत ८ रहा तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा रखी गयी समस्याएँ/प्रश्नों का प्रतिशत मात्र ६ रहा है। प्रत्येक स्तर पर रखे गये समस्याएँ/प्रश्नों का समाधान अतिथि विद्वानों के द्वारा उसी अनुरूप में किया गया।(सारिणी क्रमांक ०७ एवं ०८)।

सारिणी क्रमांक – 07
विद्यालय में मन की बात : स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ–सफाई

क्र.	स्तर	चर्चा में पूछे गए प्रश्नों एवं उनके निदान का प्रतिशत
१.	उच्चतर माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	१५ प्रतिशत ०९ प्रतिशत ०६ प्रतिशत
२.	माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	०८ प्रतिशत ०५ प्रतिशत ०३ प्रतिशत
३.	पूर्व माध्यमिक स्तर	०६ प्रतिशत

सारिणी क्रमांक – 08
विद्यालय में मन की बात : स्वच्छता प्रबंधन एवं साफ–सफाई

क्र.	विद्यार्थियों की समस्याएँ	निदान
१.	विद्यालय में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का ज्ञान न होना।	मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में समूह चर्चा के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने वाले उपायों को चिन्हाकिंत करना एवं उनके लाभों से विद्यार्थियों को अवगत कराना जैसे – ● विद्यालय परिसर में साफ–सफाई बनाये रखना। ● कुड़े–कचरों को कुड़ेदान में डालना। ● स्वच्छ पेयजल का उपयोग करना। ● पीने का पानी ढँक कर रखना। ● कचरे एवं गंदे पानी का उचित निकास करना।
२.	विद्यार्थियों को स्वच्छता की विभिन्न विधियों की समझ का अभाव।	विद्यार्थियों को स्वच्छता प्रबंधन के विभिन्न विधियों/ उपायों को समूह चर्चा के माध्यम से समझाने का प्रयास करना ताकि विद्यार्थी स्वच्छता की विभिन्न विधियों को अपना सकें।

4. मन की बात चर्चा का विषय : विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण :–

मन की बात कार्यक्रम में चर्चा का चौथा चरण विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण निर्मित करने पर था, जिस पर विद्यार्थियों द्वारा औसतन ७ प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये, जिसमें छात्राओं द्वारा रखे गये समस्याओं/प्रश्नों का प्रतिशत ६ था तथा छात्रों का प्रतिशत ८ रहा है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा सबसे अधिक १० प्रतिशत समस्याएँ/प्रश्न रखे गये जबकि माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा रखी गयी समस्याएँ/प्रश्नों का प्रतिशत ६ रहा तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा रखी गयी समस्याएँ/प्रश्नों का प्रतिशत सबसे कम ४ रहा है। प्रत्येक स्तर पर रखे गये समस्याएँ/प्रश्नों का समाधान अतिथि विद्वानों के द्वारा उसी अनुरूप में किया गया।(सारिणी क्रमांक ०९ एवं १०)।

सारिणी क्रमांक – 09
विद्यालय में मन की बात : विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण

क्र.	स्तर	चर्चा में पूछे गए प्रश्नों एवं उनके निदान का प्रतिशत
१.	उच्चतर माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	१० प्रतिशत ०८ प्रतिशत १२ प्रतिशत
२.	माध्यमिक स्तर (अ) छात्राओं की समस्या (ब) छात्रों की समस्या	०६ प्रतिशत ०२ प्रतिशत १० प्रतिशत
३.	पूर्व माध्यमिक स्तर	०४ प्रतिशत

सारिणी क्रमांक – 10
विद्यालय में मन की बात : विद्यालय में साज–सज्जा का वातावरण

क्र.	विद्यार्थियों की समस्याएँ	निदान
१.	विद्यालय एवं विद्यालय प्रांगण में साज–सज्जा के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता का अभाव	विद्यालय में मन की बात कार्यक्रम में समूह चर्चा के दौरान विद्यालय के साज–सज्जा के प्रति स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुसज्जित करने के लिए विद्यार्थियों की सहभागिता से स्वावलंबी तथा श्रमनिष्ठा के भावों का विकास हुआ।
२.	विद्यालय एवं विद्यालय प्रांगण में साज–सज्जा के प्रति विद्यार्थियों के आपसी ताल मेल तथा सहभागिता में कमी	इस कार्यक्रम के प्रयासों से विद्यार्थियों में आपसी तालमेल और सहभागिता बढ़ी तथा विद्यार्थी निम्न कार्यो के प्रति रूचि लेने लगे जैसे – • विद्यालय में कक्ष की लिपाई–पोताई। • कक्ष के अनुपयोगी वस्तुओं को कचरे के डिब्बों में डालना। • कक्ष में डस्टर एवं चाक व्यवस्थित रखना। • प्रेरणादायक वाक्य, सूक्तियाँ, सुभाषित परिभाषाएँ कक्ष में लेखन करना। • कक्ष सजा–सज्जा प्रतियोगिता में सहभागिता करना। • कक्ष में चार्ट के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियों को अंकित करना।।

निष्कर्ष :–

विद्यार्थी जीवन कच्ची मिट्टी का ऐसा पिंड है, जिसे चाहे जैसा रूप दिया जा सकता है। चरित्र निर्माण की यह श्रेष्ठ अवस्था है। इस अवस्था में विद्यार्थी में आत्मनिर्भरता, उदारता, स्नेह, श्रद्धा, आस्था एवं नम्रता आदि गुणों का विकास संभव होता है। प्रस्तुत केश अध्ययन ''विद्यार्थियों हेतु मन की बात'' के माध्यम से विद्यार्थियों में निम्न गुणों का विकास संभव हो सका है –

- विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच का विकास संभव हो सका।
- विद्यार्थियों में निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हुई।
- विद्यार्थियों में सहनशीलता की भावना बढ़ी।
- विद्यार्थियों में आत्म–विश्वास की भावना बढ़ी।
- विद्यार्थियों में आत्म नियंत्रण एवं आत्म मूल्यांकन की भावना का विकास हुआ।
- विद्यार्थियों में कर्त्तव्य बोध की भावना का विकास संभव हो सका।
- विद्यार्थियों में उत्तरदायित्वों का निर्वहन की भावना विकसित हुई।

संदर्भ ग्रंथ सूची

१. बत्रा, दीनानाथ वर्ष २०१५ ''चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास'', शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
२.बत्रा, दीनानाथ वर्ष २०१५ ''विद्यालय गतिविधियों का आलय'' शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
३.छ.ग. राज्य बाल अधिकार आयोग वर्ष २०१५ ''बाल कवच'' बाल अधिकारों पर संदर्शिका,छ.ग. राज्य बाल अधिकार आयोग, रायपुर

४. कोठारी, अतुल वर्ष २०१५ ''स्वामी विवेकानंद के चिंतन का उच्च शिक्षा में समावेश'' शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
५. कटारे, इंदुमति वर्ष २००८''आत्मत्व का विस्तार'' विद्या भारती, जोधपुर
६.सिंह, बी.बी. एवं एन.सी. गावड़ी वर्ष २०१० ''विशिष्ट शिक्षा'' वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर
७.उपाध्याय, राजेन्द्र वर्ष २००६ ''शिक्षा मनोविज्ञान'' वंदना पब्लिकेशन, नई दिल्ली
८.गुप्ता, डी.एस. वर्ष २००६ ''शिक्षा एवं दर्शन'', शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org